भारत सरकार
स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय
स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या: 869
दिनांक 26 जुलाई, 2024 को पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर

सरकारी अस्पतालों में बिस्तरों की उपलब्धता

869. श्री वरुण चौधरी:

क्या **स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) विगत पांच वर्षों के दौरान देश में सरकारी अस्पतालों में अंतरंग रोगियों के लिए कितने बिस्तर उपलब्ध हैं;

(ख) वर्तमान में डाक्टरों, नर्सों और पैरामेडिकल कर्मियों की स्वीकृत संख्या कितनी है और इनके कितने पद रिक्त हैं;

(ग) क्या विश्व स्वास्थ्य संगठन के दिशा-निर्देशों के अनुसार स्वास्थ्य देखभाल संबंधी अवसंरचना में वृद्धि करने का कोई प्रस्ताव है; और

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

उत्तर

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय में राज्य मंत्री
(श्रीमती अनुप्रिया पटेल)

(क): जन स्वास्थ्य और अस्पताल राज्य का विषय है। इस प्रकार का कोई डाटा केंद्रीय स्तर पर नहीं रखा जाता है। जहाँ तक नई दिल्ली के केंद्रीय सरकारी अस्पतालों यानी सफदरजंग अस्पताल, डॉ. राम मनोहर लोहिया अस्पताल, लेडी हार्डिंग मेडिकल कॉलेज और संबद्ध अस्पताल का प्रश्न है, विगत पांच वर्षों के दौरान उपलब्ध बिस्तरों की संख्या इस प्रकार है:

क्र. ं.	अस्पताल का नाम	वर्ष	बिस्तरों की संख्या
1	सफदरजंग अस्पताल	2019-2023	2873
		2024	2994
2	डॉ. राम मनोहर लोहिया अस्पताल	2017-2019	1447
		2020-2023	1532
		2024	1538
3	लेडी हार्डिंग मेडिकल कॉलेज और संबद्ध अस्पताल	2022 से पूर्व	877
		2024	1397

(ख): केंद्र सरकार के अस्पतालों में डॉक्टरों, नर्सों और पैरामेडिकल स्टाफ के वर्तमान संस्वीकृत और रिक्त पदों का विवरण निम्नानुसार है:

मेडिकल स्टाफ	**मेडिकल स्टाफ के पदों की संख्या**					
	सफदरजंग अस्पताल		डॉ. राम मनोहर लोहिया अस्पताल		लेडी हार्डिंग मेडिकल कॉलेज और संबद्ध अस्पताल	
	संस्वीकृत पद	रिक्त पद	संस्वीकृत पद	रिक्त पद	संस्वीकृत पद	रिक्त पद
डॉक्टर	2116	430	1123	429	333	49
नर्स	2723	153	1592	121	834	202
पैरामेडिकल स्टाफ	186	82	1235	473	316	140

(ग) और (घ): डब्ल्यूएचओ के दिशा-निर्देशों के अनुसार स्वास्थ्य सेवा अवसंरचना को बढ़ाने के लिए सरकार के पास कोई प्रस्ताव लंबित नहीं है। तथापि, डॉ. आरएमएल अस्पताल में 666 बिस्तर वाला अति विशिष्ट ब्लॉक निर्माणाधीन है।

*****